>

Title: Need to implement the recommendations of Brigadier Gautam Mukherjee report for the benefit of Defence Civilian.

श्री रघुराज सिंह शाक्य (इटावा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करते हुये आग्रह करना चाहता हूं कि आयुध कोर के असैनिक कर्मचारियों (स्टोरकीपर एवं क्लर्क) के पदोन्नति हेतु 22 दिसम्बर, 1988 को बैठायी गई ब्रिगेडियर गौतम मित्रा कमेटी रिपोर्ट 13 मई, 1989 को महानिदेशक, ओ.एस. को सौंपी गई।[s9] रिपोर्ट के अध्ययन के अनुसार महानिदेशक ओ.एस. ने स्टोर कीपर को अनुपात के हिसाब से पदोन्नतिवश 1997 से लागू किया था। महोदय, जबकि दूसरे विभाग के जो क्लर्क थे, उसी स्टाफ के थे, रक्षा मंत्रालय से ही संबन्धित हैं, उनके साथ इस रिपोर्ट में पदोन्नति करने के सुझाव को लागू नहीं किया गया था। यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया गया है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से रक्षा विभाग के कर्मचारियों के साथ जो सौतेला व्यवहार किया गया है।

अध्यक्ष महोदय : आप लोग इतना टाइम लेते हैं।

श्री रघुराज सिंह शाक्य : मैं यह निवेदन करना चाहता हूँ कि उन रक्षा विभाग के जो क्लर्क हैं,...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is really tortuous.

श्री रघुराज सिंह शाक्य : उनकी रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए अनुपात के हिसाब से पदोन्नति करने हेतु शीघ्र कार्यवाही करने का कार्य किया जाए, जिससे जो समूह ग के कर्मचारी हैं उनको भी न्याय मिल सके और उनकी भी पदोन्नति हो सके।

MR. SPEAKER: All parties, all hon. leaders had solemnly agreed that only five matters of urgent national and international importance will be taken up during this time. Now I have already allowed – I do not know how many – probably fifteen matters. Nobody listens. Whoever wants to stand up and say something will shout; he can do it. There is nothing called propriety, nothing called decency, and nothing called respect for the Chair. I am sure, the people of this country are watching the performance of all of you. My performance does not matter; as I told you, I am not a candidate.